RE. PLIGHT OF PEOPLE IN BIHAR DUE TO SEVERE DROUGHT

श्री शकर दयाल सिंह (बिहार) : उपसभापति जी, राष्ट्रपति जी ने जो अभिभाषण इस वर्ष दिया था उसमें उन्होंने विशेष रूप से बिहार में सूखे की जो स्थिति है उसका जिक्र किया था । इसलिये मैं भारत सरकार से यह कहना चाहता हूं कि राष्ट्रपति जी ने जब अपने अभिभाषण में बिहार के सूखे का जिक्र किया तो जो भारत सरकार को बिहार में जो सूखे की स्थिति है, उसे गंभीरतापूर्वक लेना चाहिये था । आज स्थिति यह है कि बिहार के काफी जिलों में भीषण रूप से सूखे की स्थिति के कारण लोग कराह रहे हैं, पीड़ित हैं । उनको पानी नहीं मिल रहा है, उनके खाने के लिये अन्न नहीं है ।

इसलिये मैं आपके माध्ये से सरकार मे कहना चाहता हूं कि बिहार के उन क्षेत्रों में जहां अकाल की स्थिति है सूखे के कारण, वहां फौरन विशेष राहत भेजी जाय और केन्द्रीय सरकार अविलंब एक टीम भेजकर यह देखे कि किन-किन जगहों पर इसकी जरूरत है । पलामू जैसी जगह में और छोटा नागपुर जैसी जगह में लोग पत्ते खाकर जी रहे है और वहां ऐसी स्थिति है जिसका मैं वर्णन नही कर सकता हूं । सारे अखबारों में ये बातें आती रही हैं । इसलिये मैं चाहता हूं कि सरकार और विशेषकर कल्याण मंत्री जी जरा इधर भी ध्यान दें । यह बिहार के कल्याण की सवाल है और वह उधर देख रहे हैं । मैं चाहूंगा कि सरकार बिहार में अविलंब एक टीम भेजे अकाल की स्थिति के संबंध में और सारी जानकारी सदन के पटल पर रखे ।

—

RE. ATROCITIES ON WOMEN OF CROATIA AND BOSNIA BY SERBIANS

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल (उत्तर प्रदेश) : जनाब वाईस चेयरमैन साहब, में एक इंतहाई अहम मसले की और आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं और खास तौर पर जो हमारी मारग्रेट अल्वा जी हैं, उनकी खास तौर से तवज्जह चाहता हूं ।सर. बोस्निया के अन्दर पिछले कई महीनों से जो जुल्म हो रहा है उसके बारे में सारे हिन्दुस्तान के अखबरात के अन्दर रोजाना रिपोर्टस आ रही हैं । जहां पर कत्लेआम हो रहा है लोगों का, वहां सबसे ज्यादा अहम की बात यह है कि 30 हजार से लेकर 50 हजार औरतों की अस्मतदरी की गई है और यह ऐनश्योर किया जाता है कि क्रोशियाई और बोस्नियाई जो बाशिन्दे है उनकी जो खवातीनें हैं, उनकी अस्मतदारी वहां कैंपों के अन्बर की जा रही है और उसमें 60 साल की बूढ़ी औरतों से लेकर 5 और 6 साल की बच्चियां तक को नहीं छोड़ा गया है और जो जवान लड़कियां है उनकी अस्मतदारी करने के बाद ये ऐनश्योर किया जाता है कि वह हामिला हो गई है या नही । वहां उनको कहा जाता है कि वे 'सर्ब' बाशिन्दो के हराम के बच्चे जनेंगी । ये बराबर कहा जाता है और सिक्योरिटी काऊंसिल ने इसकी बाकायदा तसदीक की है ।

सर, हिन्दुस्तान के अन्दर हमेशा ऐसे मामलात में आवाज उठाई जाती रही है और हमारी पार्लियामेंट इस मसले पर खामोश तमाशाई नहीं बन सकती है । मैं मागरेट अल्वा जी से कहूंगा कि वह एक रेजोल्यूशन लेकर आयें गवर्नमेंट की तरफ से और इसकी मज़म्मत करें ताकि हिन्दुस्तान का नाम रोशन हो कि हम ऐसे मामलात में सबसे पहले आवाज उठाते हैं । बहुत-बहुत

शुक्रिया

†شری محمد افضل عرف م۔ افضل: اترپردیش

جناب والش چیئرمین۔ میں ایک انتہائی اہم مسئلے کی طرف آپ کا دھیان دلانا چاہتا ہوں اور خاص طور پر ہماری مارگریٹ الوا جی ہیں۔ ان کی خاص طور سے توجہ چاہتا ہوں۔ سرے۔ بوسنیا کے اندر پچھلے کئی مہینوں سے جو ظلم ہو رہا ہے۔ اس کے بارے میں سارے ہندوستان کے اخبارات کے اندر روزانہ رپورٹس آرہی ہیں۔ جہاں پر قتل عام ہو رہا ہے لوگوں کا۔ وہاں سب سے اہم بات یہ ہے کہ ۳۰ ہزار سے لے کر ۵۰ ہزار عورتوں کی عصمت دری کی گئی ہے۔ اور یہ انشیور کیا جاتا ہے کہ کوسوویائی اور بوسنیائی جو باشندے ہیں۔ ان کی جو خواتین ہیں۔ ان کی عصمت دری وہاں کیمپوں کے اندر کی جا رہی ہے اور اس میں ۶۰ سال کی بوڑھی عورتوں سے لے کر ۷ اور ۶ سال کی بچیوں تک کو نہیں چھوڑا گیا ہے اور جو جوان لڑکیاں ہیں ان کی عصمت دری کرنے کے بعد یہ انشیور کیا جاتا ہے کہ وہ حاملہ ہو گئی ہیں یا نہیں۔ وہاں ان کو کہا جاتا ہے کہ وہ "سرب" باشندوں کے حرام کے بچے جنیں گی یہ برابر کہا جاتا ہے اور سیکیورٹی کاؤنسل نے اس کی باقاعدہ تصدیق کی ہے۔

سر ہندوستان کے اندر ہمیشہ ایسے معاملات میں آواز اٹھائی جاتی رہی ہے اور ہماری پارلیمنٹ اس مسئلے پر ہمیشہ خاموش تماشائی نہیں بن سکتی ہے۔ میں مارگریٹ الوا جی سے کہوں گا کہ وہ ایک ریزولیوشن لے کر آئیں گورنمنٹ کی طرف سے اور اس کی مذمت کریں تاکہ ہندوستان کا نام روشن ہو۔ کہ ہم ایسے معاملات میں سب سے پہلے آواز اٹھاتے ہیں۔ بہت بہت شکریہ۔

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRIMATI MARGARET ALVA): I share the sentiments.

श्रीमती कमला सिन्हा : (बिहार) मैं इससे अपने को ऐसोसिएट करना चाहती हूं और यह कहना चाहती हूं कि केवल यह रेजोल्यूशन ही हम पास न करें। हम यूनाइटेड नेशंस में भी दवाब डालकर कहें कि ह्यमन राईटस कमीशन इस मामले की तहकीकात करे। यह बहुत ही घृणित काम हो रहा है और अगर हम कुछ नहीं करेंगे तो दुनिया में इस तरह की बात हमेशा, हर जगह होती रहेगी।

Re. PLIGHT OF FARMERS IN RAJASTHAN DUE TO HEAVY RAINS

श्री मूलचन्द मीणा (राजस्थान) : उपसभाध्यक्ष महोदय, राजस्थान के काफी

†[] Transliteration in Arabic Script.